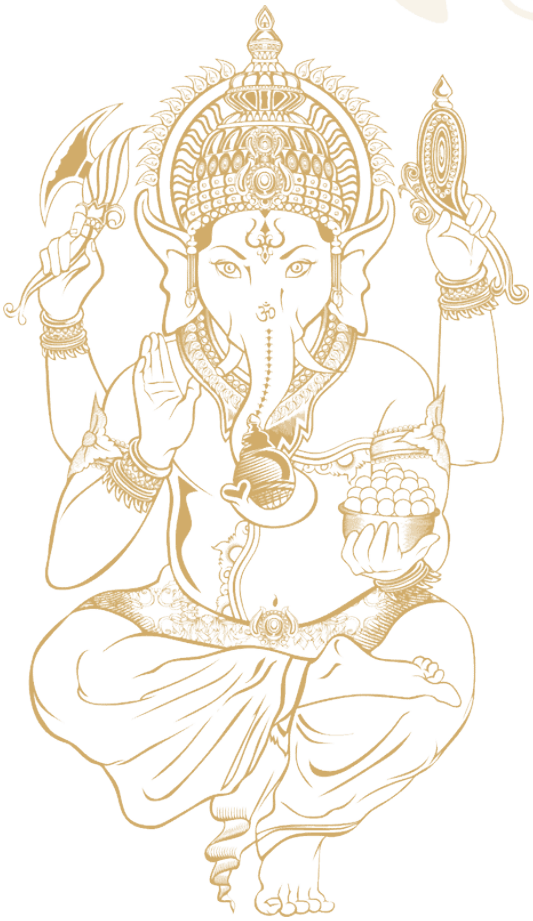

27 Feb 2026

02:00 PM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121445102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	17:20:49 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:23:28 घंटे
वेलान्तर	-00:12:43 घंटे
साम्पातिक काल	23:52:14 घंटे
सूर्योदय	07:03:40 घंटे
सूर्यास्त	18:35:15 घंटे
दिनमान	11:31:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:31:45 कुम्भ
लग्न के अंश	16:01:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:01:04	318:26:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	14:31:45	01:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	21:52:22	14:05:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	03:13:21	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:14:50	00:10:27	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:05:24	00:02:18	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	26:56:17	01:14:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	07:18:15	00:07:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:27	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:27	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:28:24	00:01:13	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:45:38	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:15:50	00:01:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	03:39:41	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

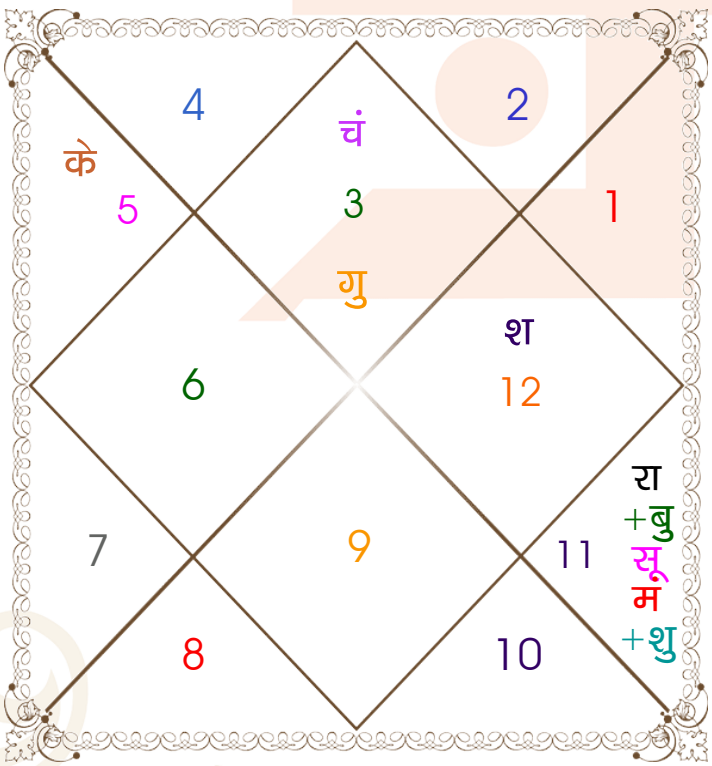

चन्द्र कुंडली

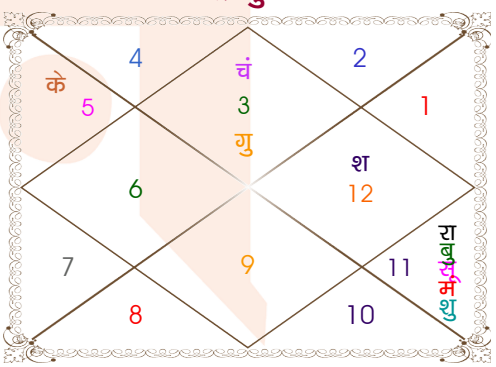

नवमांश कुंडली

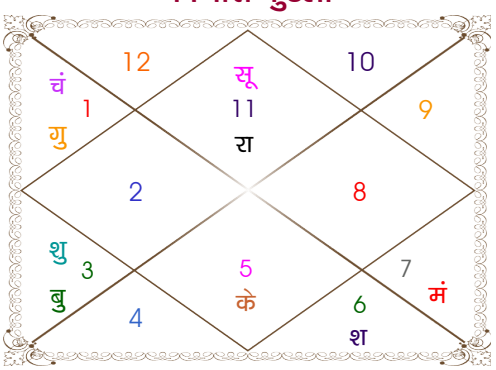

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 9 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/02/2026		29/11/2039		29/11/2058		29/11/2075		29/11/2082	
29/11/2039		29/11/2058		29/11/2075		29/11/2082		30/11/2102	
	27/02/2026	शनि	02/12/2042	बुध	27/04/2061	केतु	26/04/2076	शुक्र	31/03/2086
शनि	30/07/2028	बुध	11/08/2045	केतु	24/04/2062	शुक्र	27/06/2077	सूर्य	31/03/2087
बुध	05/11/2030	केतु	20/09/2046	शुक्र	22/02/2065	सूर्य	01/11/2077	चंद्र	29/11/2088
केतु	12/10/2031	शुक्र	20/11/2049	सूर्य	29/12/2065	चंद्र	02/06/2078	मंगल	29/01/2090
शुक्र	12/06/2034	सूर्य	02/11/2050	चंद्र	31/05/2067	मंगल	30/10/2078	राहु	28/01/2093
सूर्य	31/03/2035	चंद्र	02/06/2052	मंगल	27/05/2068	राहु	17/11/2079	गुरु	29/09/2095
चंद्र	30/07/2036	मंगल	12/07/2053	राहु	14/12/2070	गुरु	23/10/2080	शनि	29/11/2098
मंगल	06/07/2037	राहु	18/05/2056	गुरु	21/03/2073	शनि	02/12/2081	बुध	30/09/2101
राहु	29/11/2039	गुरु	29/11/2058	शनि	29/11/2075	बुध	29/11/2082	केतु	30/11/2102

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/11/2102		30/11/2108		30/11/2118		30/11/2125		30/11/2143	
30/11/2108		30/11/2118		30/11/2125		30/11/2143		00/00/0000	
सूर्य	20/03/2103	चंद्र	30/09/2109	मंगल	28/04/2119	राहु	12/08/2128	गुरु	17/01/2146
चंद्र	18/09/2103	मंगल	01/05/2110	राहु	16/05/2120	गुरु	06/01/2131	शनि	28/02/2146
मंगल	24/01/2104	राहु	31/10/2111	गुरु	22/04/2121	शनि	12/11/2133		00/00/0000
राहु	18/12/2104	गुरु	01/03/2113	शनि	31/05/2122	बुध	31/05/2136		00/00/0000
गुरु	06/10/2105	शनि	30/09/2114	बुध	29/05/2123	केतु	18/06/2137		00/00/0000
शनि	18/09/2106	बुध	01/03/2116	केतु	25/10/2123	शुक्र	18/06/2140		00/00/0000
बुध	25/07/2107	केतु	30/09/2116	शुक्र	24/12/2124	सूर्य	13/05/2141		00/00/0000
केतु	30/11/2107	शुक्र	31/05/2118	सूर्य	01/05/2125	चंद्र	12/11/2142		00/00/0000
शुक्र	30/11/2108	सूर्य	30/11/2118	चंद्र	30/11/2125	मंगल	30/11/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।